विशद प्रकाशन सूची
A DESCRIPTIVE CATALOGUE
2020



प्रकाशन अनुभाग
Publication Unit

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth
Qutub Institutional Area, New Delhi-110016
Phone : 46060502, 46060563

श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
फोन : 46060502, 46060563

www.slbsrsv.ac.in

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

के

नियमित पाठ्यक्रम

कक्षा	वेद-वेदांग संकाय	दर्शन संकाय	सहित्य एवं संस्कृति संकाय	शिक्षाशास्त्र संकाय
	विषय	विषय	विषय	
शास्त्री (त्रिवर्षीय) आचार्य (द्विवर्षीय) विशिष्टाचार्य (एम.फिल.) विद्यावारिधि (पीएच.डी.)	शुक्लयजुर्वेद, पौरोहित्य, धर्मशास्त्र, नव्यव्याकरण, प्राचीन व्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, वास्तुशास्त्र	प्राचीनन्याय, नव्यन्याय, सर्वदर्शन, सांख्ययोग, अद्वैतवेदान्त, विशिष्टाद्वैत वेदान्त, जैनदर्शन, मीमांसा	साहित्य, पुराणेतिहास, प्राकृत	शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य, विशिष्टाचार्य एवं विद्यावारिधि

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110016

भारत की राजधानी में विगत 55 वर्षों से यह विद्यापीठ संस्कृत की सेवा में अनवरत संलग्न है तथा अध्ययन, अध्यापन, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के साथ ही संस्कृत-साहित्य की विभिन्न धाराओं पर कतिपय मानक ग्रन्थों का प्रकाशन भी कर रहा है। इन ग्रन्थों में दुर्लभ, मौलिक, शोध-प्रबन्ध, टीका-भाष्यादि से संकलित, नवीन उद्भावनामूलक तथा विशिष्ट चिन्तन से अनुप्राणित साहित्य का सुलभ-प्रकाशन हो यही हमारा प्रमुख ध्येय है।

विद्यापीठ द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों पर मुद्रित मूल्य में 40 प्रतिशत छूट की व्यवस्था है। डाक द्वारा मंगाये जाने पर किसी प्रकार की छूट देय नहीं है।

SRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

(Deemed to be Universty)

New Delhi-110016

The Vidyapeetha is engaged in the continuous service of Sanskrit in the Capital City of India since last fifty five years and apart from imparting Sanskrit teaching, education, studies and research activities, it is also engaged in the publication of various standard granthas relating to different braches of Sanskrit literature. It is our endeavour to publish and conveniently make avaialble the authentic commentaries, literatures and granthas containing rare, original and research oriented thinking.

Discount allowed on all publications of Vidyapeetha 40%. There will be no any discount if demand by post.

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ की विशद ग्रन्थ सूची

संस्कृत के प्रचार प्रसार और उसके संरक्षण के साथ-साथ विद्यापीठ ने संस्कृत साहित्य की अभिवृद्धि के लिए महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

1965-66 सत्र में भारत सरकार ने विद्यापीठ को शोध संस्थान के रूप में मान्यता दी। इसी वर्ष से प्रकाशन के कार्य का श्रीगणेश हुआ। इस क्रम में म.म. श्री गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी द्वारा लिखित 'प्रमेयपारिजात' और 'पुराणपारिजात' इन दो ग्रन्थों का प्रकाशन भारत सरकार के सहयोग से किया गया तथा अक्टूबर, 1964 में प्रदत्त चतुर्वेदी जी के सात व्याख्यानों का 'वैदिक विज्ञान' के नाम से हिन्दी व संस्कृत में प्रकाशन किया गया। ये तीनों ग्रन्थ 7 अगस्त, 1965 ई. को प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री को समर्पित किये गये।

विद्यापीठ द्वारा प्रारम्भ से अब तक किए गए विशिष्ट प्रकाशनों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है :-

DESCRIPTIVE LIST OF PUBLICATIONS

The Vidyapeetha has been continuously contributing to the cause of promotion and propagation of Sanskrit language since its inception.

Govt. of India recognised this Vidyapeetha as a Research Institute during session 1965-66. It started its publication work from this very year. Under publication series Prameya-Parijata and Purana Parijata writeen by M.M. Shir Giridhar Sharma Chaturvedi were published in collaboration with Govt. of India. Besides, book titled Vaidika Vigan was also published in Hindi and English languages which is a collection of seven lectures delivered by : Chaturvedi in 1964. These three books were presented to the then Prime Minister Shri Lal Bahadur Shastri on 7th August 1965.

This book is composed by M.M. Giridhar Sharma Chaturvedi. It Contains answers to many questions related to Puranas. Cultural and literary importance of Puranas has been explicitly established in a very lucid manner by the author.

1. **अजातशत्रु** **मूल्य : 26.00**

संस्कृत गद्यकाव्य की परम्परा में डॉ. श्रीनाथ हसूरकर द्वारा विरचित यह ग्रन्थ स्वयं में अद्वितीय है। ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित यह ग्रन्थ संस्कृत वाङ्मय में नवीन साहित्य के प्रभाव को आगे बढ़ाने वाला है।

1. **AJATASHATRU** **Rs.26.00**

This is a Prose-Poem written by renowned scholar Dr. Shrinatha Hasurkar on the basis of historical events. This has enriched the Sanskrit literature and revolutionised the style of prose writing in sanskrit.

2. **अथर्वसंहिता विधान** **मूल्य : 30.00**

पं. केशवदेव शास्त्री जी द्वारा विरचित इस ग्रन्थ में विस्तारपूर्वक अथर्ववेद में विहित विधि-विधानों का वर्णन किया गया है। ग्रन्थकार ने अथर्ववेद में वर्णित विविध विधानों का अत्यन्त संक्षिप्त किन्तु स्पष्ट विवरण प्रस्तुत किया है।

2. **ATHARVA-SAMHITA-VIDHANA** **Rs. 30.00**

In this scholarly work, the author Pt. Keshav Dev Shastri has given a detailed account of rituals as described in Atharvaveda

3. **अद्वैत वेदान्त में आभासवाद** **मूल्य 410.00**

अद्वैत वेदान्त में आभासवाद का प्रामाणिक ग्रन्थ है। दर्शनशास्त्र के लब्धप्रतिष्ठ विद्वान् जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सत्यदेव मिश्र द्वारा रचित है। ग्रन्थ में उपनिषदों से आभासवाद की उत्पत्ति सिद्ध करते हुए शंकर, सुरेश्वर, सर्वज्ञात्मन्, आनन्दगिरि तथा विद्यारण्य प्रभृति अद्वैताचार्यों के आभास-प्रस्थानों का प्रामाणिक निरूपण है।

3. ADWAIT VEDANT MEIN ABHASVAAD **Rs. 410.00**

This book is a research work by renowned scholar Prof. Satyadev Mishra. Justifying the origin of Abhasvaad from the Upanishads it dicusses the opinions of Shankar, Sureshwar, etc.

4. अध्यापक शिक्षा में उदीयमान प्रवृत्तियाँ **मूल्यः 280.00**

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा पर आयोजित संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित 39 शोध निबंधों का संग्रह है। इसका सम्पादन प्रो. भास्कर मिश्र जी ने किया है।

4. ADHYAPAK SHIKSHA MEIN UDAYAMAN PRAVRITTIYAN **Rs. 280.00**

Edited by Prof. Bhaskar Mishra, this book is a collection of 39 research papers presented during seminar organized by the department of Education, Vidyapeetha.

5. अध्यापक शिक्षा में मूल्यमीमांसा वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ **मूल्यः 325.00**

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित मार्च, 2015 में संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित 55 शोध निबंधों का संग्रह है। इसका सम्पादन प्रो. रमेश प्रसाद पाठक जी ने किया है।

5. ADHYAPAK SHIKSHA MEIN MULYAMIMANSA-VARTMAN PARIPREKSHYAEVAM CHUNAUTIYA **RS. 325.00**

Edited by Prof. Ramesh Prasad Pathak, this book is a collection of 55 research papers presented during seminar organized by the department of Education, Vidyapeetha in March, 2015.

6. अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्ति (चार भाग) मूल्य: 106.00

यह ग्रन्थ मीमांसा दर्शन के ख्यातिप्राप्त अद्वितीय आचार्य श्री पं० पट्टाभिराम शास्त्री जी के सम्पादकत्व में चार भागों में प्रकाशित हुआ है। श्री वासुदेव दीक्षित द्वारा विरचित इस ग्रन्थ में श्रौत पदार्थों का समुचित उपपादन करते हुए अतिगहन विषय को सरल शैली में समझाया गया है। अग्निहोत्र, दर्शपूर्णमास सप्त संख्याक ज्योतिष्टोम आदि अध्वरों की मीमांसा के साथ सूत्रों की वृत्तिरचना इस ग्रन्थ की मौलिक विशेषता है। पं० पट्टाभिराम शास्त्री जी ने अत्यन्त परिश्रमपूर्वक और निष्ठा के साथ अनेक ताड़पत्रीय पाण्डुलिपियों के आधार पर विशुद्ध पाठालोचन को 1802 पृष्ठों का एक अमूल्य रत्न प्रदान किया है।

6. ADDHVARA-MIMANSA-KUTUHALAVRITTI **Rs. 106.00**

This book on the Mimanasa-sutra was composed by Acharya Vasudeva Diksita in the last quarter of 16th century A.D. under the patronage of the ruler of Tanjaur. This important work remained unpublished for three Centuries. Under the auspices of Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, the task of editing it was entrusted to Vidyasagar Pt. Pattabhiram Shastri, who worked on it for about 10 years and edited it with illustrating foot-notes. He edited it after consulting and utilizing a number of manuscripts written on Palmleaves. The book has now been published in four parts. This great gloss running into 2000 pages has fulfilled a long-standing need concerning the study and teaching of the Mimansa Shastra. Shri Vasudeva Diksita has faithfully interpreted the Mimansa tenets as propounded by the Sutrakara Jaimini and the Bhasyakara Sabara but at times he had given his own views and explained rituals known as Agnihotra, Darshapurnamasa, Jyotistoma, etc. in a comprehensive manner.

7. **AN ANTHOLOGY OF SANSKRIT CLASSICS IN ENGLISH TRANSTATION** **Rs. 80.00**

उक्त ग्रन्थ दो भागों में प्रकाशित है प्रथम भाग में अनुवाद की आवश्यक विधि एवं सम्पादन विधि है तथा द्वितीय भाग में संस्कृत भाषा में मूल ग्रन्थ अभिज्ञान शाकुन्तलम् का चतुर्थ अंक, मृच्छकटिकम् का प्रथम अंक, उत्तररामचरितम् का सप्तम अंक और उसका अंग्रेजी में अनुवाद है। इस गन्थ का सम्पादन प्रो. अमिता शर्मा, डॉ. मीनू कश्यप, डॉ. मुक्ति सन्याल एवं डॉ. राखी जैन ने किया है।

7. **AN ANTHOLOGY OF SANSKRIT CLASSICS IN ENGLISH TRANSLATION** **Rs. 80.00**

Comprising two parts, the first of this anthology discusses translation and editing and the second part incorporates the a original Sanskrit version of IV Act. of *Abhijnan-shakuntalam*, I Act. of *Mrichchakatikam* & VII Act. of *Uttarramcharitam* with English rendering

This book is edited by Prof. Amita Sharma, Dr. Meenu Kashyap, Dr. Mukti Sanyal and Dr. Rakhi Jain.

8. **अभिनव क्रीडातरङ्गिणी** **मूल्य : 11.00**

विभिन्न प्रकार के खेलों पर लिखित संस्कृत में यह अपने ठंग का अनूठा ग्रंथ है, जिसे डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी ने अत्यन्त परिश्रम से लिखा है। इसमें देशी और विदेशी खेलों की प्रसिद्ध प्रचलित सारी विधायें दिखायी गयी हैं।

8. **ABHINAVA-KREEDA-TARANGINI** **Rs. 11.00**

This a unique work on various types of games written in Sanskrit by Dr. R.D. Tripathi. It contains comprehensive description of famous national and international games.

This is an original work of Dr. Mandan Mishra. The author has very skilfully analysed the varied aspects of Mimansa Shastra. It also gives a detailed account of Indian and western views on the subject.

9. **अवयवतत्त्वचिन्तामणिदीधितिविद्योतः** **मूल्य : 300.00**

गोकुलनाथोपाध्याय विरचित न्यायशास्त्रीय ग्रन्थ अवयव तत्त्वचिन्तामणि दीधितिविद्योत, तत्त्वचिन्तामणिदीधिति गादाधरी श्रीज्वालाप्रसादगौड़ विरचित विलासिनी व्याख्या सहित तत्त्वचिन्तामणिरहस्य दीधिति जागदीशी व्याख्या के साथ मूल पाण्डुलिपि का सम्पादन प्रो. हरेराम त्रिपाठी जी ने किया है। न्यायदर्शन के जिज्ञासुओं के लिये उपादेय ग्रन्थ है।

9. **VAYAVTATTVACHINTAMANI-DEEDHITIVIDYOTAH :** **Rs. 300.00**

Composed by Gokulnath Upadhyaya, the original manuscript of this treatise is edited for the learners of Nyaya philosophy. It has been edited by Prof. Hareram Tripathi and is very relevant for learners of Naya Philosophy.

10. **अहिंसा दर्शन** **मूल्य : 160.00**

प्रस्तुत ग्रन्थ में अहिंसा को विभिन्न धर्म-दर्शनों तथा चिन्तकों के परिप्रेक्ष्य में देखते हुये उसकी गहन आध्यात्मिक व्याख्या तो की ही गयी है साथ ही राजनैतिक, सामाजिक तथा व्यावहारिक जीवन आदि क्षेत्रों में उसकी प्रासंगिकता तथा प्रयोगों पर भी सार्थक चिन्तन किया गया है। यह ग्रन्थ 10 अध्यायों में विभक्त है। विद्यापीठ के जैनदर्शन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनेकान्त कुमार जैन जी का अहिंसा पर चिन्तनपरक ग्रन्थ है।

10. **AHIMSA - DARSHAN** **Rs. 160.00**

This book explains Ahimsa in the light of thoughts of various thinkers and religions besides discussing its relevance in political, solcial and practical lives. It is diveded into ten chapters. It is a thought provoking book by Dr. Anekant Kumar Jain of the Dept. of Jain Darshan, L.B.S. Vidyapeetha.

11. इन्दिरा-कीर्ति-कौमुदी मूल्य : 55.00

डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी द्वारा चम्पूकाव्य परम्परा में विरचित यह ग्रन्थ स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के व्यक्तित्व को प्रकाशित करता है, श्रीमती गांधी जो संस्कृत के विकास के लिए आजीवन प्रयत्नशील रहीं। स्वर्गीय प्रधानमंत्री के प्रति श्रद्धापुष्पाञ्जलि रूप यह ग्रन्थ ऐतिहासिक तथ्यों के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के भी विभिन्न पक्षों को उजागर करने के कारण अत्यन्त उपादेय है।

11. INDIRA-KIRTI-KAUMUDI Rs.55.00

It presents a vivid account of excellent life history of Late Smt. Indira Gandhi, our Ex-Prime Minister. This is composed in Champu style by Dr. Rudradev Tripathi. Smt. Indira Gandhi strived throughout her life for promotion of Sanskrit and Indian culture. This floral tribute to our late Prime Minister elucidates different aspects of Indian culture alongwith historical facts.

12. ऋग्वेदकविविमर्श: मूल्य : 3.00

संस्कृत वाङ्मय के यशस्वी मनीषी, मुम्बई तथा दिल्ली विश्वविद्यालयों के संस्कृत विभागों के भूतपूर्व अध्यक्ष स्व. प्रो. डॉ. मधुकर, गो. माईणकर जी के द्वारा शारदीय ज्ञान महोत्सव व्याख्यानमाला के अन्तर्गत विद्यापीठ में दिये गये तीन व्याख्यान का संकलन रूप यह प्रकाशन है। इसमें भारतीय और पाश्चात्य विद्वानों के अध्ययन, मनन का सार प्रस्तुत करते हुये माईणकर जी ने वैदिक ऋषियों के कविरूप एवं वेदों के काव्यमय स्वरूप का मनोरम एवं प्रामाणिक अध्ययन प्रस्तुत किया है। इस ग्रन्थ के प्रतिपाद्य विषय तीन हैं- (क) वैदिककविमानस: पृष्ठभूमि: (ख) वैदिककवीनां काव्यविचार: (ग) वैदिककवीनां काव्यविषयकविचार:।

12. RIGVEDA-KAVI-VIMARSAH Rs. 3.00

It is a collection of three lectures delivered by Prof. Mainkar on the Sharadiya-Jnana-Mahotsava organised by Shri Lal

Bahadur Shastri Kendriya Sanskrit Vidyapeetha, Delhi. It contains the enssence of the divergent views of the scholars of East and West regarding the Vedic Risis and the Vedic hymns in an authentic and original manner.

13. कात्यायनश्रौतसूत्रम् (दो भाग) मूल्य : 450.00

आचार्य श्री पट्टाभिराम शास्त्री जी के सम्पादकत्व में 'कात्यायन-श्रौतसूत्रम्' दो भागों में प्रकाशित हुआ है। संस्कृत वाङ्मय का यह अंश वेदों के क्रियाकलापों को समझने के लिये परमावश्यक होते हुये भी दुर्लभ होता जा रहा था उचित समय पर इसका सम्पादन एवं प्रकाशन कराकर विद्यापीठ ने संस्कृत वाङ्मय का महान् उपकार किया है।

13. KATYAYANA-SHRAUTA-SUTRAM (TWO PARTS) Rs. 450.00

This significant work edited by Pt. Acharya Pattabhiram Shastri has been published in two parts. Shraut-sutras are very useful to understand the Vedic rituals and it has fulfilled a long standing need of publication of such type of rare work.

14. कारिकावली मूल्यः 450.00

विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य विरचित कारिकावली नामक यह ग्रन्थ सिद्धान्तमुक्तावली से युक्त है। इसमें चन्द्रिका हिन्दी टीका भी दी गई है। इसमें न्यायकोष के साथ साथ पदार्थ की चित्रसारिणी तथा कारिकावली का हिन्दी रूपान्तर भी परिशिष्ट में है। इस ग्रन्थ का सम्पादन विद्यापीठ के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने किया है।

14. KARIKAWALI Rs. 450.00

This book is written by Vishwanath Panchanan. It encompasses Siddhantmuktavali along with Chandrika Hindi commentary. It has also in its appendix Nyayakosh

and Hindi rendering of Karikawali. It has been edited by Professor Ramesh Kumar Pandey, the Vice-Chancellor of Vidyapeetha.

15. कृष्णयजुर्वेदीय-तैत्तिरीय संहिता (दो भाग) मूल्य : 350.00
(सायण भाष्य तथा हिन्दी अनुवाद समन्वित)

सायणाचार्य-विरचित भाष्य से युक्त 'कृष्णयजुर्वेदीय तैत्तिरीय संहिता का हिन्दी अनुवाद एवं टिप्पणियों से विभूषित यह ग्रन्थ महामहोपाध्याय श्री परमेश्वरानन्द शास्त्री जी के अपार परिश्रम की परिणति है। अनुवाद शैली, भाष्य पद्धति के समान होने से सभी जटिल विषयों का सार अत्यन्त सरलता से समझाया गया है। म.म. शास्त्री जी के दिवंगत हो जाने के कारण प्रथम काण्ड के पंचम अनुवाक का प्रथम भाग कविरत्न श्री अमीरचन्द्र शास्त्री एवं डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी ने सम्पादित किया है तथा द्वितीय भाग का डॉ. देवदत्त चतुर्वेदी ने संपादन किया है। द्वितीय भाग प्रथम काण्ड से प्रथम प्रपाठक के छठे अनुवाक से चौदहवें अनुवाक पर्यन्त है।

15. KRISNA YAJURVEDIYA TAITIRIYA SAM HITA (TWO PARTS) Rs.350.00

This work entitled 'Krishhayajuvediya Tattiriya Samhita', with the commantary of Saynacharya and its Hindi rendring, is the outcome of Sri Parmeshwarnand Shastri's hard wrok. This text makes the complex problems an easier one. Due to the demise of M.M Shastriji, the first part is edited by Sri Amirchand Shastri and Dr. Rudradeva Tripathi and the second is edited by Dr. Devdatta Chaturvedi.

16. गायत्री वरिवस्या मूल्य : 98.00

यह ग्रन्थ महर्षि विश्वामित्र द्वारा प्रणीत ब्रह्मतन्त्रोक्त 'गायत्रीस्तवराज', 'गायत्री-विमर्श', 'सर्ववेदसारभूत गायत्री मन्त्र' तथा 'निगमागम सम्मत', पञ्चकाल-सन्ध्या: एक विश्लेषण' एवं 'त्रिपदा गायत्री स्तोत्र' पर

डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी के शोध लेखों से समन्वित है। प्रस्तुत ग्रन्थ गायत्री साधकों, विद्वानों, तान्त्रिकों के लिये अत्यन्त उपादेय है।

16. **GAYATRI-VARIVASYA** **Rs. 98.00**

This book is compiled by Dr. Rudradev Tripathi. It is a composiiton of all the research article regarding gayatri worship. This book is very useful for gayatri worshippers and sandhyabandana.

17. **चित्रबन्धावतारिका** **मूल्य : 50.00**

सुप्रसिद्ध विद्वान् म.म. रामावतार शर्मा जी द्वारा निर्मित चित्र-बन्धात्मक पद्यों को चित्रलङ्कार की दृष्टि से पाँच प्रकरणों में विभक्त करके यह पुस्तक डॉ. त्रिपाठी ने तैयार की है। साथ ही प्रत्येक बन्ध की निर्माण पद्धति के लिये लक्षण रूप में पद्य और हिन्दी विवेचन भी दिया है। यह कृति अब तक अप्रकाशित एवं अनूदित थी। अतः इसका नवीन नामकरण करके प्रकाशित किया गया है। परिशिष्ट में चित्रबन्धों की आकृतियाँ भी मुद्रित हैं।

17. **CHITRABANDHAVATARIKA** **Rs. 50.00**

The renowned scholar M.M. Ramavatar Sharma's hitherto unpublished and uncited 'Chitrabandh' verses (order of the letters giving rise to Shape of words) have been prepared by Dr. Rudra Dev Tripathi. He has categorised them into five sections according to their 'Chitralocnkara and given Hindi commentary along with verses. In the appendix there are some diagrams containing Chitrabandhas.

18. **जैमिनीय न्यायमाला (प्रमाणाध्याय)** **मूल्यः 150.00**

श्री माध्वाचार्य विरचित जैमिनीयन्यायमाला के प्रथम अध्याय प्रमाणाध्याय पर डॉ. प्रभाकर प्रसाद जी की प्रकाशिका नामक संस्कृत व्याख्या है। यह ग्रन्थ मीमांसा शास्त्र के विद्वानों के लिए अत्यन्त उपादेय है।

18. JAIMINIYA NYAYMALA (PRAMANADHYAY). **Rs.150.00**

This book is a Sanskrit explanation of first chapter "Pramanadhyay" of Jaiminiya Nyaymala composed by Shri Madhavachaya. Written by Dr. Prabhakar Prasad, this book is significant for the scholars of Mimansa.

19. जैमिनी न्यायमाला (धर्मभेदाध्याय) **मूल्य: 200.00**

श्री माध्वाचार्य विरचित जैमिनीयन्यायमाला के द्वितीय अध्याय धर्मभेदाध्याय पर डॉ. प्रभाकर प्रसाद जी की प्रकाशिका नामक संस्कृत व्याख्या है। यह ग्रन्थ मीमांसा शास्त्र के विद्वानों के लिए अत्यन्त उपादेय है।

19. JAIMINIYA NYAYMALA (DHARMABHEDADHYAY). **Rs. 200.00**

This book is a Sanskrit explanation of the second chapter, "Dharmabhedhyay" of Jaiminiya-Nyaymala composed by Shri Madhavachaya. Wtitten by Dr. Prabhakar Prasad, this book is significant for the scholars of Mimansa.

20. दायभागः **मूल्य : 270.00**

जीमूतवाहन विरचित मूलग्रन्थ दायभाग पर कालब्रुक के अंग्रेजी अनुवाद के साथ प्रो. नीना डोगरा का हिन्दी अनुवाद भी प्रकाशित किया गया है। इस ग्रन्थ में सम्पत्ति का विभाजन पुत्र का अंश, पुत्री के पुत्र का अंश, उत्तराधिकार विषय की विस्तृत चर्चा की गई है।

20. DAYABHAG **Rs. 270.00**

Jeemutvahan's 'Daybhagah' in orginal along with the English rendering of Kolebrook and Hindi rendering of Prof. Neena Dogra has been published. It deals with distribution of property, share of son, daughter's son and laws related to inheritance quite exhaustively.

21. THE STRUCTURE OF INDIAN MIND **Rs. 160-00**

प्रस्तुत ग्रन्थ डॉ. विद्यानिवास मिश्र के भारतीय मनीषा के दिक्काल की अवधारणा, संस्कृति और सभ्यता आदि के सन्दर्भ में रचित उत्कृष्ट निबन्धों का संग्रह है।

21. THE STRUCTURE OF INDIAN MIND **Rs. 160.00**

Present volume is collection of selected articles of M. M. Dr. Vidyaniwas Mishra on the various aspects of Indian minds reflected in the waythe notions of time, space, culturel and civilizations.

22. देवीपुराण **मूल्य : 270.00**

देवीपुराण प्राचीन एवं प्रमुखतम शाक्त उपपुराणों में से एक है। प्रमुख रूप से सिंहवाहिनी देवी के अवतार एवं लीलाओं का वर्णन करता है यह प्रो. पुष्पेन्द्रकुमार शर्मा द्वारा संशोधित एवं सम्पादित देवनागरी संस्करण है।

22. DEVI PURAN **Rs. 270.00**

Devipuran is one of the main and ancient Shakta sub-puranas. This Devnagri edition that talks about Goddess Singhvahini, her incarnations and actions has Prof. Puspendra Kumar Sharma as its editor.

23. दीक्षान्त भाषण संग्रह **मूल्य : 100.00**

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोहों में भारत के मूर्धन्य मनीषियों के द्वारा प्रदत्त दीक्षान्त भाषणों का संग्रह है। उक्त ग्रन्थ में कुल 16 मनीषियों के भाषणों में विशेष उल्लेखनीय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम एवं पूर्व शिक्षामंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी के भाषण हैं। इसका सम्पादन विद्यापीठ के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने किया है।

23. DEEKSHANT BHASHAN SANGRAH **Rs. 100.00**

It is a collection of Convocation speeches delivered by eminent scholars at Shri Lal Bahadur Shashtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha. Sixteen speeches delivered by various scholars include the convocation addresses of Ex-President of India, Dr. Shankar Dayal Sharma, Dr. A.P.J. Abdul Kalam and Dr. Murali Manohar Joshi. It has been edited by Professor Ramesh Kumar Pandey, the Vice-Chancellor of Vidyapeetha.

24. नित्यकर्मप्रकाशः **मूल्य : 90.00**

भारतीय संस्कृत एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसारात्मक लक्ष्य की पूर्ति को ध्यान में रखकर प्रारम्भिक परिचय के लिए उक्त ग्रन्थ का संयोजन किया गया है। डॉ. भवानी शंकर त्रिवेदी जी ने वर्तमान जनसाधारण के मानस एवं अपेक्षा को दृष्टि में रखकर इसमें - हिन्दू धर्म के आधार ग्रन्थ के अनुसार प्रात: कृत्य (प्रात: स्मरण, सन्ध्या, ब्रह्मयज्ञ, तर्पण और देवार्चन) आदि शास्त्र सम्मत विधि का संकलन किया गया है।

24. NITYAKARMAPRAKASH **Rs. 90.00**

Hindu religion is based on scriptures, which injunct a number of rituals to be performed by the Hindus. Shri Trivedi's book-Nityakarma-prakasha, is valuable for those, who want to have a first hand brief information and formulas to be used in their day-ta-day life.

25. पञ्चलक्षणी **मूल्य : 135.00**

नव्यन्याय शास्त्र के प्रवर्तक आचार्य श्री गङ्गेशोपाध्याय विरचित तत्त्वचिन्तामणि ग्रन्थ के अनुमान खण्ड के अन्तर्गत व्याप्ति पञ्चक मूल के साथ माथुरी टीका उसपर पाँच विद्वानों की हिन्दी व्याख्या है। प्रथम व्याप्ति लक्षण की व्याख्या प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित, द्वितीय व्याप्ति लक्षण की व्याख्या प्रो. हरेराम त्रिपाठी, तृतीय व्याप्ति लक्षण

की व्याख्या डॉ. विष्णुपद महापात्र, चतुर्थ व्याप्ति लक्षण की व्याख्या डॉ. महानन्द झा एवं पञ्चम व्याप्ति लक्षण की व्याख्या डॉ. प्रभाकर प्रसाद ने की है।

25. PANCHLAKSHNI **Rs. : 135.00**

This book is a Hindi explanation cum-commentary of the founding figure of Navya-Nyaya Shastra, Acharya Sri Gangesh Upadhyaya's 'Tattvachintamani'. The five significant parts of the text are written by Prof. P.K. Dixit, Prof. Hereram Tripathi, Dr. Visnupad Mahapatra, Mahanand Jha and Dr. Prabhakar Prasad respectively.

26. पञ्चामृतम् **मूल्य : 15.00**

इस पुस्तक में शारदीय ज्ञान महोत्सव के अवसर पर दिये गये निम्नलिखित पाँच व्याख्यानों का संग्रह है :-

(1) बुद्ध-शिलालेखों के द्वारा दर्शित वेदान्त दर्शन -डॉ. नाकामुरा, टोकियो विश्वविद्यालय

(2) राष्ट्रकूट और कालिदास की तिथि -म.म. डॉ. वी.वी. मिराशी

(3) आधुनिक भारत में संस्कृत-डॉ. एस.एम. कत्रे

(4) बेजट थियेटर (संस्कृत नाटक में एक नवीन दिशा) -डॉ. लूथर लुट्जे

(5) सौन्दर्यात्मक अनुभवों की प्रवृत्ति -डॉ. नगेन्द्र

26. PANCHAMRITAM **Rs. 15.00**

It is a collection of five learned lectures delivered by the following erudite scholars:-

1. Dr. Hazim Nakamura-The Vedanta Philosophy, as was Tokyo University, Japan revealed in Buddhist Scriptures
2. M.M. Dr. V.V. Mirasi Date of the Rastrakutas and Kalidasa.

3. Dr. S.M. Katre-Sanskrit in Modern India.

4. Dr. Loother Lutze-Brecht's Theatre: A New Approach to South Asia Institute Sanskrit Drama. University of Heidelberg Germany

5. Dr. Nagendra-The Nature of Aesthetic Experience.

27. प्रत्यक्षागमप्रमाणोल्लासः **मूल्य : 250.00**

विद्यापीठ के अद्वैतवेदान्त विभाग द्वारा 18–31 मार्च, 2010 को प्रत्यक्ष प्रमाण विषयिणी आयोजित कार्यशाला तथा 16–17 जनवरी, 2012 को आगम प्रमाण विषयिणी राष्ट्रिय संगोष्ठी में पठित विद्वानों के शोध निबन्धो का संग्रह है यह ग्रन्थ तीन पटल में विभक्त है। 1. प्रत्यक्ष पटल में 38, 2. शब्द पटल में 19 तथा विनेय पटल में 20 निबन्ध है। इसका सम्पादन अद्वैतवेदान्त विभागाध्यक्ष प्रो. शुद्धानन्द पाठक जी ने किया है।

27. PRATYAKSHAGAMPRAMANOLLASH **Rs. 250.00**

This work, edited by Prof. Suddhanand Pathak, is a collection of research papers presented during workshop on. Pratyaksha Praman dated 18-31 march, 2010 and National Seminar dated 16-17 January, conducted by Dept. of Advaitvedanta, Vidyapeetha. It is divided into three parts. Part 1 to 3 comprises 38, 19 & 20 papers respectively.

28. प्रमेय पारिजात **मूल्य : 115.00**

यह ग्रन्थ म.म.पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी जी द्वारा लिखित है। इस ग्रन्थ में 19 अध्याय हैं। इसमें आस्तिक एवं नास्तिक दोनों दर्शनों का समावेश है। आचार्य चतुर्वेदी जी द्वारा आत्मतत्त्व की दर्शनशास्त्रीय विशद विवेचना की गई है।

28. PRAMEY PARIJAT **Rs. 115.00**

The book is written by M.M Giridhar Sharma Chaturvedi. This is an analytical study of Ashtik and Nastik Philosophy.

Pt Chaturvedi has done a deep study of spiritual subjects. This is a useful book for spiritual heads.

29. प्रमाण-प्रमोद: मूल्य : 7.50 पैसे

यह ग्रन्थ न्यायशास्त्र के अद्वितीय विद्वान् म. म. श्री चित्रधर शर्मा की अनुपम कृति है। इसमें उदयनाचार्य की न्यायकुसुमाञ्जलि की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए नव्यन्याय की शैली से ईश्वरसिद्धि की विवेचना को विषय बनाया गया है। साथ ही उसी परम्परा के उद्भट विद्वान् म. म. श्री दु:खमोचन झा द्वारा निर्मित इस ग्रन्थ की महत्वपूर्ण व्याख्या भी इस ग्रन्थ में प्रकाशित है। विदुषी सम्पादिका श्रीमती उज्ज्वला शर्मा ने विभिन्न पाण्डुलिपियों का परिशीलन करके अपनी विस्तृत से सम्पन्न यह प्रामाणिक संस्करण प्रस्तुत किया है।

29. PRAMANA-PRAMODAH Rs. 7.50

This is a work on Nyaya originally written by M.M. Sri Chitra Dhar Sharma. It strives to prove the existence of God and therefore, falls in the line of Udayanacharya's Nyaya Kusumanjali. It consists of a commentary written by the famous scholar M.M. Shri Duhkha Mochan Jha. The learned editor Shrimati UjjwalaSharma has edited it after consulting and utilizing a number of manuscripts. The book also contains a learned introduction by the editor.

30. प्रवचनपारिजात: (भाषण-सङ्ग्रह:) मूल्य : 95.00

प्रस्तुत ग्रन्थ में संस्कृत-संसार के प्रसिद्ध विद्वान् एवं अनेक महत्वपूर्ण ग्रन्थों के प्रणेता श्री चारुदेव जी शास्त्री तथा श्री श्रीजीवन्याय तीर्थ के 3-3 भाषणों का सङ्ग्रह प्रकाशित है। विद्यापीठ द्वारा आयोजित शारदीय ज्ञान महोत्सव सन् 1973 ई. के सत्र में उपर्युक्त विद्वानों ने क्रमश: व्याकरण और वेदान्त विषयों पर ये भाषण दिये थे। इनमें प्रमुख रूप से उपसर्गों के उपकारत्व और उनके अर्थ, वेद में धातु और उपसर्गों का योग तथा उपसर्गों के कारण धातुओं की सकर्मकता

तथा वर्तमान भारत में वेदान्त दर्शन की उपयोगिता एवं वेदान्त के स्वरूप पर गम्भीरतापूर्ण चिन्तन प्रस्तुत हुआ है।

30. PRAVACHANA-PARIJATAH **Rs. 95.00**

It is a collection of the five learned lectures on Vyakarana and Vedanta by the famous scholars Shri Charu Dev Shastri and Shri Jivanyayatirth delivered by them during the Sharadiya Jnana mahotsava in 1973. Shri Charu Dev Shastriji has dealt with the role of prefixes in Sanskrit Grammar and Shri Jivanyayatirtha has ana lysed the nature and utility of the vedanta.

31. प्राकृत भाषा अभिलेख **मूल्य: 300.00**

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय के प्राकृत भाषा विभाग द्वारा आयोजित शोध संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित शोध निबन्धों का संग्रह है। इसमें प्राकृतभाषा, ब्राह्मीलिपि, भाषिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, प्राशासनिक, दार्शनिक एवं राजनैतिक आदि विषयों पर विशिष्ट विद्वानों के लेख हैं। इसका सम्पादन डॉ. जयकुमार उपाध्ये जी ने किया है।

31. PRAKRIT BHASHA ABHILEKH **Rs. 300.00**

This book is a collection of research papers presented during seminar conducted by Department of Prakrit, Vidyapeetha. Edited by Dr. Jaykumar Upadhye, this book comprises articles by eminent scholars on Prakrit language, Brahmi Lipi, and other social, cultural, administrative, philosophical and political topics.

32. पाणिनि कात्यायन एण्ड पतञ्जलि **मूल्य : 55.00**

यह ग्रन्थ श्री के. माधवकृष्णशर्मा का अंग्रेजी में लिखित शोधप्रबन्ध है। व्याकरण के तीनों मुनियों-पाणिनि, कात्यायन एवं पतञ्जलि के व्यक्तित्व और कृतित्व का अनेक पक्षों से निरीक्षण करके लेखक ने इस ग्रन्थ में कुछ मौलिक उद्भावनायें की गई है और वही इस ग्रन्थ की विशेषता है।

32. **PANINI, KATYAYNA AND PATANJALI** **Rs. 55.00**

It is a thesis prepared by Shri K. Madhavkrishna Sharma which contains a vivid account of the lives and woks of the famous Sanskrit Grammarians Panini, Katyayana and Patanjali. The novel presentation and faithful interpretation of the facts by the author have greatly added to the importance of this book.

33. **विशदपाण्डुग्रन्थसूची** **मूल्य : 340.00**

विद्यापीठ में संरक्षित पाण्डुलिपियों में देवनागरी लिपि की 993 पाण्डुलिपियों का विवरण संग्रह है।

33. **VISHAD PANDUGRANTHA SUCHI** **Rs. : 340.00**

The manuscripts preserved in the Vidyapeetha has the description of 993 manuscripts in Devanagri.

34. **पुराण पारिजात** **मूल्य : 120.00**

यह ग्रन्थ म.म.पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी जी द्वारा लिखित है इस ग्रन्थ की भूमिका प्रख्यात् विद्वान् स्वामी करपात्री जी ने लिखा है। प्रस्तुत ग्रन्थ में 11 अध्याय हैं जो पौराणिक वाङ्मय की दार्शनिकता का प्रस्तुत करते हैं।

34. **PURAN PARIJAT** **Rs. 120.00**

The book Puran Parijat is written by M.M Pandit Giridhar Sharma Chaturvedi. Its Introduction is written by Swami Karpatrigi. The book contains 11 articles of distinguished aspects of pa ura n ik literature.

35. **ब्रह्मसिद्धिः** **मूल्य : 380.00**

आचार्य श्रीमण्डनमिश्र द्वारा विरचित तथा प्रो. केदारनाथ त्रिपाठी जी की कला-व्याख्या से संवलित अद्वैतवेदान्तदर्शन का अनुपम ग्रन्थ है। इस ग्रन्थ में अद्वैत-वेदान्त के प्रमुख-तत्त्वों का विशद-विवेचन है। प्रस्तुत ग्रन्थ चार खण्डों में विभक्त है।

35. BRAMHA SIDDHI **Rs. 380.00**

It's a beautiful book on Advaita Vedanta Philosophy written by Acharya Sri Mandan Mishra and compiled by Prof. Kedarnath Tripathi. It makes an indepth analysis of main strings of Advaita Vedanta. It is divided into four parts.

36. पर्यावरण एवं भारतीय नारी **मूल्यः 330.00**

वैदिक काल से लेकर रामायण काल की नारियों का अध्ययन इस ग्रन्थ में है, जिसमें नारी ने अपनी तपस्या और त्यागमय जीवन द्वारा जो सांस्कृतिक योगदान दिया है उसका विस्तृत अध्ययन इस ग्रन्थ में निरूपित है। इस ग्रन्थ की लेखिका डॉ. ज्योत्स्ना मोहन जी हैं तथा इसका सम्पादन डॉ. ज्ञानधर पाठक जी ने किया है।

36. PARYAVARAN EVAM BHARTIYA NAREE **Rs.330.00**

Written by Dr. Jyotsana Mohan and edited by Dr. Gyandhar Pathak, this book presents the study of women from Vedic period to the times of the Ramayana. This book depicts the contribution of women to the cultural development of society.

37. बृहत्त्रयीपरिशीलनम् (परिचयखण्डः) **मूल्य : 210.00**

साहित्य विभाग द्वारा बृहत्त्रयी पर आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सैप परियोजना के अन्तर्गत शोध सङ्गोष्ठी में प्रस्तुत 20 विद्वानों के शोधनिबन्धों का संग्रह है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन प्रो. शुकदेव भोई जी ने किया है।

37. BRIHATTRAYIPARISHEELANAM (PARICHYAYAKHAND) **Rs. : 210.00**

This book is a compilation of research papers of 20 scholars presented during seminar conducted by Sahitya Department under SAP program of UGC. It is edited by Prof. Sukdev Bhoi.

38. बृहत्त्रयीपरिशीलनम् (सांस्कृतिकखण्ड:) मूल्य : 170.00

साहित्य विभाग द्वारा बृहत्त्रयी पर आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सैप परियोजना के अन्तर्गत शोध सङ्गोष्ठी में प्रस्तुत 17 विद्वानों के शोध निबन्धों का संग्रह है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन प्रो. अमिता शर्मा जी ने किया है।

38. **BRIHATTRAYIPARISHEELANAM (SANSKRITIKHANDAH)** **Rs. : 170.00**

Edited by Prof. Amita Sharma, this books is a collection of 17 research papers presented duing National Seminar conducted by Dept. of Sahitya under SAP Program of UGC.

39. बृहत्त्रयीपरिशीलनम् (काव्यशास्त्रीयखण्ड:) मूल्य : 230.00

साहित्य विभाग द्वारा बृहत्त्रयी पर आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सैप परियोजना के अन्तर्गत शोध सङ्गोष्ठी में प्रस्तुत 36 विद्वानों के शोधनिबन्धों का संग्रह है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन प्रो. भागीरथिनन्द जी ने किया है।

39. **BRIHATTRAYIPARISHEELANAM (KAVYASHASTRIKHANDAH)** **Rs. : 230.00**

Edited by Prof. Bhagirath Nanda, this book is a collection of 36 research articles presented during National Seminar conducted by Dept. of Sahitya under SAP program of UGC.

40. भट्टमथुरानाथस्य काव्यशास्त्रीयनिबन्धा: मूल्य : 90.00

काव्यशास्त्र के मर्मज्ञ विद्वान् भट्टमथुरानाथशास्त्री के अत्यन्त गंभीर चिंतन परक काव्यशास्त्रीय निबन्धों का संग्रह है। इस ग्रन्थ का सम्पादन देवर्षि कलानाथ शास्त्री एवं आचार्य रमेशकुमार पाण्डेय जी द्वारा किया गया है।

40. **BHATTAMATHURANATHASYA KAVYASHAHITIYA NIBANDHA** Rs. : 90.00

This book edited by Devarshi Kalanath Shastri and Prof. Ramesh Kumar Pandey is a compilation of thought provoking essays by the scholarly poetician Bhatt Mathuranath Shastri.

41. **भारतीयचिन्तने स्याद्वादः** मूल्य : 175.00

जैनदर्शन विभाग द्वारा आयोजित 27-28/03/2011 को "भारतीय चिन्तन में स्याद्वाद" विषय पर एवं द्विवसीया राष्ट्रिया संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित 37 निबन्धों का संग्रह है। इसका सम्पादन दर्शन संकाय प्रमुख प्रो. वीरसागर जैन जी ने किया है।

41. **BHARTIYA CHINTANEY SYADWAAD** Rs. : 175.00

Edited by Prof. Veer Sagar Jain, this book is a collection of 37 articles presented during National Seminar titled "Bhartiya Chintan Mein Syadvad' dated 27-28 March 2011, conducted by Dept. of Jain Darshan, Vidyapeetha.

42. **भारतीय संस्कृत के नये आयाम** मूल्य : 140.00

आचार्य श्री व्रजवल्लभ द्विवेदी द्वारा विरचित यह ग्रन्थ भारतीय संस्कृति के पारम्परिक स्वरूप की प्रामाणिक व्याख्या प्रस्तुत करता हुआ समस्त आवश्यक सांस्कृतिक तत्त्वों का विवेचन करता है।

42. **BHARATIYASANSKRITI KE NAVE AYAMA** Rs. 140.00

This book has an authentic commentary to the successive features of Indian culture written by Prof. Vrajvallabh Dwivedi. In this, all essential theories of Indian culture are discussed.

43. **भारतीय वृष्टिविज्ञान परिशीलन** मूल्यः 350.00

भारतीय वृष्टिविज्ञान पर गहन शोध कार्य करते हुए विद्यापीठ के वास्तुशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी ने प्राचीन

और अर्वाचीन वृष्टि का तुलनात्मक वैज्ञानिक आकलन किया है। यह ग्रन्थ अत्यन्त उपयोगी एवं शास्त्र के वैज्ञानिक आधार को पुष्ट करने वाला है।

43. BHARTIYA VRISHTIVIGYAN PARISHEELAN **Rs. 350.00**

This book is the outcome of serious research conducted by Professor Devi Prasad Tripathi, the Head of the Department of Vastu-Shastra in the comparative analysis of old and modern science of Vrishti. It is very useful book that justifies the scientific viability of the Vrishti-vigyan.

44. भास्करीय गोलमीमांसा **मूल्य : 450.00**

ज्योतिष शास्त्र के परम आचार्य भास्कराचार्य के गणितीय सिद्धान्त "सिद्धान्त शिरोमणि" ग्रन्थ के गोलाध्याय पर प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी द्वारा किया गया शोधकार्य है। यह ग्रन्थ पाँच अध्यायों में विभक्त है। संस्कृतभाषा में निबद्ध ग्रन्थ शोधकर्त्ताओं, विद्वानों एवं ज्योतिष शास्त्र के जिज्ञासुओं के महत्वपूर्ण है।

44. BHASKRIYA GOLMIMMASA **Rs. : 450.00**

This book is a research work conducted by Prof. D.P. Tripathi on the mathmatical theory of Acharya Bhaskaracharya titled 'Siddhant Shiromani'. It is divided into 5 parts. Written in Sanskrit, this book is very relevant to the learners of Jyotish Shastra.

45. भोजप्रबन्धा: **मूल्य : 225.00**

श्रीबल्लाल कवि-चिरचित कथा-साहित्य का यह अद्भुत-ग्रन्थ है। इसमें भोजनृपति को केन्द्रित कर कविशिक्षा के महत्वपूर्ण-तत्त्वों को उन्मीलित किया गया है। यह काव्य निर्माण-कौशल को अविष्कृत करता है। डॉ. के.पी.एन. मेनन् के आङ्ग्लभाषानुवाद से संवलित यह ग्रन्थ सभी के लिये उपादेय है।

45. BHOJ PRABANDHAH **Rs. 225.00**

It's a wonderful book of stories written by Sri Ballalalkavi. Important theories on education of poets centred on the King Bhoja are explicated in this book. It discovers the art of poetics. Translated by Dr. K.P.A. Menon, this book is useful for all.

46. भैषज्य ज्योतिष मञ्जूषा (भाग 1-3) **मूल्य: 450.00**

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग द्वारा ज्योतिष शास्त्र में वर्णित विभिन्न रोगों के ऊपर विभिन्न विद्वानों द्वारा लिखित शोध-निबन्धों के संग्रह हैं। प्रथम एवं द्वितीय पुष्प का सम्पादन प्रो. प्रेम कुमार शर्मा तथा तृतीय पुष्प का सम्पादन प्रो. बिहारी लाल शर्मा जी ने किया है।

46. BHAISHAJYA JYOTISH MANJUSHA (PART 1-3). **Rs. 450.00**

It comprises the articles written by various scholars from Vidyapeetha on the discription of diseases in Jyotish Shastra. The first and the secod part of this book has been edited by Prof. Prem Kumar Sharma and the third part has Prof. Bihari Lal Sharma as its editor.

47. मीमांसा प्रवेशिका **मूल्य 260/-**

धर्म के प्रतिपादक वेद के अर्थ की मीमांसा को पूर्वमीमांसा कहते हैं। मीमांसा के विभिन्न आयामों पर जिज्ञासुओं को प्रवेश हेतु पं. श्री दुर्गाधर झा ने मीमांसा प्रवेशिका की मौथिली भाषा में रचना की थी, जिसका हिन्दी अनुवाद डॉ. किशोरनाथ झा ने किया है। हिन्दी अनुवाद का सम्पादन प्रो. हरेराम त्रिपाठी एवं डॉ. शिवशंकर मिश्र ने किया है। यह ग्रन्थ मीमांसा में प्रवेशार्थियों के लिए लाभप्रद है।

47. MEEMANSA PRAVESIKA **Rs. 260.00**

For the learners of Various dimensions of Mimansa Pt. Durgadhar Jha wrote this book in Maithli. It has been

rendered into Hindi by Dr. Krishornath Jha. The hindi version of this book is edited by Prof. Hareram Tripathi & Dr. Shivshankar Mishra.

48. **मीमांसान्यायप्रकाश** **मूल्य : 100.00**

यह ग्रन्थ डॉ. मण्डन मिश्र के प्रधानसम्पादकत्व एवं मीमांसा के अद्वितीय विद्वान् श्री पट्टाभिराम शास्त्री के सम्पादकत्व में प्रकाशित होकर संस्कृत वाङ्मय की अमूल्य निधि के रूप में सामने आया है।

48. **MIMAMSA-NYAYA-PRAKASHA** **Rs.100.00**

This is an invaluable treasure of Sanskrit literature which has been edited by renowned scholar of Mimamsa Shastra Pt. Pattabhirama Shastri.

49. **राघवाह्निकम्** **मूल्य : 1.00**

गीत-गोविन्द की परम्परा में लिखित इस गेय काव्य के सात सर्गों में भगवान् रामचन्द्र के प्रातःकाल जागरण से लेकर रात्रि शयनकाल तक के कार्यकलापों को अत्यन्त सरल गेय पद्यों मे प्रस्तुत किया गया है। ग्रन्थकार सोमनाथ व्यास साजापूत (मध्य प्रदेश) के निवासी थे। इनका समय 18वीं शती का अन्त्य भाग है। सिन्धिया प्राच्यग्रन्थागार, उज्जैन की दो पाण्डुलिपियों के आधार पर सम्पादित इस काव्य हिन्दी अनुवाद, गीतिकाव्यों की परम्परा में अब तक उपलब्ध प्राय: 60 गीतिकाव्यों की परिचयात्मक भूमिका लेखन तथा सम्पादन डॉ. रुद्रवेद त्रिपाठी ने किया है।

49. **RAGHAVAHNIKAM** **Rs. 1.00**

It is a collection of lyrical poems originally composed by Shri Soma Nath Vyasa and edited by Prof. Babu Lal Shukla Shastri. Dr. R.D. Tripathi has now translated it into Hindi and added a learned introduction to it.

50. ऋतु इन संस्कृत लिट्रेचर मूल्य : 110.00

यह ग्रन्थ विश्वविश्रुत विद्वान् डॉ. वी. राघवन् के द्वारा शारदीय ज्ञान महोत्सव में दिये गये भाषणों का संग्रह है। वैदिक काल से लेकर लौकिक संस्कृत साहित्य के युग तक ऋतुवर्णन सम्बन्धी विशाल साहित्य उपलब्ध होता है। विद्वान् लेखक ने सम्पूर्ण सामग्री का गम्भीर आकलन प्रस्तुत किया है, जिससे यहाँ समस्त संस्कृत वाङ्मय में इतस्ततः विकीर्ण का नवनीत सहज में उपलब्ध हो जाता है।

50. RITU IN SANSKRIT LITERATURE Rs. 110.00

It is a collection of the learned lectures delivered by the renowned scholar Dr. V. Raghavan on the occasion of Saradiya-Jnana-Mahotsava held in 1971 under the auspices of Shri Lal Bahadur shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha Delhi. India is a wonderful playground of the divergent seasons (rtus). Right from the Vedic literature down to the Classical period, Sanskrit has continuously enriched itself with the creative writings on the rtus (seasons). The Rtu Poetry with its variegated and extensive dimensions has been scattered in various compositions in Sanskrit. Dr. Raghavan has very admirably collected the poetic jems on rtus, presented them in a systematic manner, interpreted their philosophy and revealed the beauty underlying them in fine and lucid English.

51. रामायणम् (तिलक टीका-दो भाग) मूल्य : 550.00

आदिकवि वाल्मीकि प्रणीत रामायण श्रीरामकृत तिलक व्याख्या से युक्त दो भागों में प्रकाशित है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन श्री वासुदेव लक्ष्मण शास्त्री पणशीकर द्वारा किया गया है।

51. RAMAYAN (TILAK COMMENTRY) Rs. : 550.00

Adikavi Valmiki's 'Ramayana' along with Shri Ramkrit Tilak's explanation is published in 2 parts. It is edited by Sri Vasudeva Lakshmana Shastri Pansikar.

52. रामायण और भारत संस्कृति मूल्य : 115.00

यह श्री प्रबोधचन्द्र सेन द्वारा बंग्लाभाषा में निबद्ध ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद है। अनुवाद कार्य सुमिता सिन्हा ने सम्पन्न किया है। इस ग्रन्थ में 'रामायण' एवं 'महाभारत' की संस्कृति के कुछ तुलनात्मक-तत्त्वों को सरल-शैली में उपस्थापित किया गया है।

52. **RAMAYANA AUR BHARAT SANSKRIT** **Rs. 115.00**

It is a Hindi translation of the original Bengali book by Prabodh Chandra Sen. It is translated by Sumita Sinha and is a comparative study of the the culture of Ramayan and the Mahabharat in a simple style.

53. वास्तुशास्त्रविमर्श (भाग 4-9) मूल्य: 1200.00

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, मानित विश्वविद्यालय के वास्तुशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी में विद्वानों के वास्तुशास्त्र पर गहन चिन्तन परक लेखों के संग्रह हैं। इनका सम्पादन वास्तुशास्त्र-विभागाध्यक्ष प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी जी ने किया है।

53. **VASTUSHASTRA VIMARSH (2-9)** **Rs.: 1200.00**

Published in 8 volumes, this work deals with the socially important branch of Jyotish Shastra, namely, Vastushastra. It is published under the chairmanship of the head of the department and the editorship of faculty mambers.

54. वेधशाला परिचय पुस्तिका मूल्य : 25.00

यह ग्रन्थ पं० श्री कल्याणदत्त शर्मा द्वारा प्रणीत है। इसमें नाडीवलययन्त्र, याम्योत्तरयन्त्र, सम्राटयन्त्र, शंकुयंत्र, भारतीय तारामण्डल, चक्रयंत्र, याम्योत्तरतुरीययन्त्र, क्रान्तिवृत्तयन्त्र, तुला-कर्क-मकरराशि वलययंत्र षष्ठांशयन्त्र आदि का विवरण है इनसे ग्रहों को देखा जा सकता है। यह ग्रन्थ शैक्षिक दृष्टि से ज्योतिष शास्त्र के छात्रों एवं विद्वानों के लिये सम्मान रूप से उपयोगी है।

54. **VEDHSHALA PARICHAYA PUSTI KA** **Rs. 25.00**

The book is prepared by Pt. Kalyan Dutt Sharma for the introduction of the observatory which is situated on Vidyapeetha campus. In this book he has given detailed introduction and mode of the experiment of all yantras of observatory. This book contains 47 pages.

55. **वैदिकऋषिदृष्टिसमीक्षा** **मूल्यः 300.00**

वेदों में ज्ञानविज्ञान से सम्बन्धित मानव कल्याण के लिए ऋषियों की दृष्टि की समीक्षा की गई है। यह ग्रन्थ 9 अध्यायों में विभक्त है। इसके लेखक डॉ. सुन्दरनारायण झा जी हैं। वैदिक ज्ञान के जिज्ञासुओं के लिए यह ग्रन्थ अमूल्य रत्न है।

55. **VAIDIK RISHIDRISHTI SAMEEKSHA** **Rs. 300.00**

This book takes into account knowledge system in Vedas as communicated by the seers for the well being of all and sundry. Divided into 9 chapters, this book is written by Dr. Sundar Narayan Jha.

56. **वैदिक दर्शन विमर्श** **मूल्यः 300.00**

दार्शनिक वैदिक दर्शन में न्याय-वैशेषिक-सांख्ययोग-पूर्वोत्तरमीमांसा में वर्णित प्रमेय, प्रमाण आदि विषयों पर भेदों में समन्वय स्थापित किया गया है। तात्त्विक अनुशीलन कर समाज में इस ग्रन्थ रत्न को उपस्थापित किया गया है। इसके लेखक डॉ. महानन्द झा जी है।

56. **VAIDIK DARSHAN VIMARSH** **Rs. 300.00**

This book that discusses Prameya and Pramana in Nyaya-Vaisheshik-Sankhya Yoga-Mimansa. It has been written by Dr. Mahanand Jha.

57. **व्रतों से रोग निवारण** **मूल्यः 300.00**

व्रतों से रोग निवारण की प्राचीन परम्परा के अनुसार इस ग्रन्थ का प्रकाशन किया गया है। व्रतों को 11 भागों में बाँटा गया है। यह ग्रन्थ

जनसामान्य के लिए अत्यन्त उपयोगी है। इसका सम्पादन डॉ. रामराज उपाध्याय जी ने किया है।

57. VRATON SE ROG NIVARAN **Rs. 300.00**

This book has been published taking into view the conventional system of curing ailments through fasting. Vratas have been divided into 11 parts. It is very useful for the common mass. It has been edited by Dr. Ramraj Upadhyay.

58. व्याख्यान-वल्लरी **मूल्य : 4.00**

यह विशेष भाषणों का संग्रह है। इसमें (1) पण्डितराज राजेश्वर शास्त्री द्रविड़ (2) आचार्य श्री पट्टाभिराम शास्त्री (3) प्रो. हीरेन मुखर्जी और (4) स्व. म.म. श्री छज्जूराम शास्त्री जी के विशिष्ट भाषणों को संकलित किया गया है।

58. VYAKHAYANA VALLARI **Rs. 4.00**

This volume contains learned lectures delivered by the undermentioned scholars:

1. Panditraja RajeshwarShastri Dravid.
2. Acharya Sh. Pattabhiram Shastri.
3. Prof. Hiren Mukherjee.
4. (Late) M.M. Sh. Chhajiu Ram Shastri.

59. शतकत्रयम् **मूल्य : 75.00**

पण्डित श्री शिवजी उपाध्याय द्वारा प्रणीत यह काव्य परम्परा का एक अनुपम रत्न है। इसमें दैवी शक्ति तथा भक्ति के निरूपण के साथ-2 सामाजिक समस्याओं का सहज निरूपण हुआ है।

59. SHATAKA TRAYAM **Rs. 75.00**

This Kavya composed by Pt. Sh. Shivji Upadhyaya, is a unique gem of Kavya tradition, in which, along with the

discription of Shakti and Bhakti, social problems also are described.

60. शाबरभाष्यम् **मूल्य : 110.00**

मीमांसा शाबरभाष्य के सप्तम एवं अष्टम अध्याय का टुप्टीका-वार्तिकाभरण तन्त्रशिक्षामणि एवं भाष्यसन्दर्भ योजना नाम चार टीकाओं सहित विद्यापीठ द्वारा प्रकाशन कराया गया है। मीमांसा दर्शन के इस अत्यन्त महत्वपूर्ण ग्रन्थ का सम्पादन पद्मविभूषण उपाधि से सम्मानित आचार्य श्री पट्टाभिराम शास्त्री जी द्वारा किया है।

60. SHABAR-BHASHYAM **Rs. 110.00**

This important treatise of Mimansa school of Philosophy has been edited by venerable scholar Pt. Pattabhiram Shastri. Seventh and eighth chapters Shabar-Bhashyam have been published by the Vidyapeetha alongwith four commentaries namely Tup-Tika, Varitkabharana, Tattva-chintamani and BhashyaSandarbha-Yojna.

61. शास्त्र-दीपिका - (प्रथमभागः) **मूल्य : 260.00**

मीमांसा शास्त्र के ग्रन्थों में म.म. पार्थसारथि मिश्र रचित शास्त्रदीपिका का महत्वपूर्ण स्थान है। (इस संस्करण में मूलग्रन्थ का तर्कपाद नहीं है) इसमें तत्सत् श्री रामभट्ट के आत्मज तत्सत् श्री वैद्यनाथ भट्ट द्वारा विरचित प्रभा व्याख्या पाँचवें अध्याय तक का समावेश किया गया है। ग्रन्थ का सम्पादन सुप्रसिद्ध मीमांसाचार्य श्री पट्टाभिराम शास्त्री जी ने किया है। इसमें श्री शास्त्री जी ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका भी दी है।

61. SHASTRA DEEPIKA (PART I) **Rs. 260.00**

Shastra Deepika is a significant work on Mimansa Sastra (The present edition does not include the Tarakpada of the original book. This volume contains Prabha Vyakhya (Upto five Chapters) by Sh. Vaidya Nath Bhatt. The book has

been edited by the renowned scholar Mimamsacharya Sh. Pattabhiram Shastri who has enriched it with a learned introduction.

62. **शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य** **मूल्य : 340.00**

इस ग्रन्थ में शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य के महत्वपूर्ण एवं आवश्यक तत्त्वों को सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक में 14 अध्याय है। इसका लेखन प्रो. रमेश प्रसाद पाठक एवं डॉ. अमिता पाण्डेय भारद्वाज ने संयुक्त रूप से किया है। यह ग्रन्थ शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य के छात्रों के लिए अत्यन्त उपादेय है।

62. **SHIKSHA KE DARSHNIK EVAM SAMAJSHASTRIYA PARIPREKSHYA** **Rs.340.00**

This book deals with the philosophical and sociological dimensions of education. This book divided into 14 chapters. It is very useful for the students of B.Ed and M.Ed. It has been written by Prof. Ramesh Prasad Pathak & Dr. Amita Pandey Bhardwaj.

63. **शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता (मूल)** **मूल्य : 320.00**

यह ग्रन्थ संहितामन्त्रों की अनुक्रमणिका, वेदपारायणविधि, अनुवाक सूत्र, अष्टविकृतियां याज्ञवल्क्यशिक्षा, प्रतिज्ञा क्रमसूत्र, सर्वानुक्रम सूत्र, पारस्करग्रह्यसूत्र से युक्त है। वेद के पाठकों के लिए अत्यन्त उपोदय है।

63. **SHUKLAYAJURVEDMADHYANDINI-SANHITA (TEXT)** **Rs.: 320.00**

This books includes the list of Samhita-Mantras and others aspects of Vedic studies and is very relvenat for Veda scholars.

64. शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिनसंहिता) 460.00
प्रथम दशक हिन्दी व्याख्या

वैदिकमन्त्रों के अर्थज्ञान के लिए शुक्लयजुर्वेदीय माध्यन्दिनशाखा के प्रथमदशक (1-10) की सान्वय "अवधी" हिन्दी व्याख्या डॉ. रामानुज उपाध्याय द्वारा अत्यन्त परिश्रम पूर्वक की गई है जो वैदिक विद्वानों, छात्रों एवं जिज्ञासुओं के लिए महत् उपयोगी है।

64. SHUKLAYAJURVED Rs. 460.00
(MADHYANDIN SAMHITA) HINDI RENDERING

The (Avadhi) Hindi rendering of Shuklayajurveda is the result of hard work of Dr. Ramanuj Upadhyay. Which is relevant for the Vedic Scholars.

65. शैवाद्वयविंशतिका मूल्य : 75.00

श्री जर्नादन पाण्डेय द्वारा सम्पादित लघुस्तुति काव्यों का यह संग्रह शैवाद्वैत परम्परा में विशेष स्थान रखता है। इसमें अभिनवगुप्त के 1, राजानक नाग के 2, कोलानन्द के 3, तथा अवधूत सिद्ध, क्षेमराज, भास्करकण्ड, सहजानन्द और हर्ष के एक-एक स्तोत्रों का संग्रह है।

65. SAIVADVAYA VI MSATI KA Rs.75.00

Edited by Shri Janardan Pandey This collection of Laghu Stutikavyas has a dignified rank in Saivadvaita tradition, It contains 9 Strotras of. Abhinava Gupta, 2 of Rajanak Nag, 3 of Kolanand, one each of Avadut Siddh Kshemaraj, Bhaskara Kand, Sahajanand and Harsha respectively.

66. संचारी भावों का शास्त्रीय अध्ययन मूल्य : 20.00

यह ग्रन्थ डॉ. रघुवीरशरण द्वारा पीएच. डी. उपाधि के लिए लिखे गये शोध प्रबन्ध का अविकल रूप है। संचारी भावों के विवेचन में ग्रन्थकार की मौलिक सूझ का परिचय ग्रन्थ का उल्लेखनीय अध्याय है। न केवल संस्कृत-साहित्य अपितु हिन्दू-साहित्य के रीतिकाल

तथा आधुनिक काल की संचारी भाव सम्बन्धी सामग्री का भी इस ग्रन्थ में संयोजन और विवेचन है।

66. SANCHARI BHAVON KA SHASTRIYA-ADHYAYANA **Rs. 20.00**

It is a thesis presented by Dr. Raghuvir Sharan Vyathit for the Degree of the Doctor of Philosophy. It deals with the transitory sentiments known as Sancharibhava in Indian poetics. The author exhibits exemplary skill and depth of learning in analysing these sentiments. His analysis is befittingly augmented with references to the relevant opinions of the western critics. The author has taken into account the vast literature of India not only in Hindi but also in Sanskrit and other Indian languages. It is perhaps, the first book of its kind in any language of the world. The book is very useful for those who are interested in poetics and psychology.

67. सर्वदर्शन-समन्वयः **मूल्य : 55.00**

विद्यापीठ द्वारा प्रतिवर्ष सम्पन्न की जाने वाली 'शारदीय व्याख्यानमाला' में पण्डितराज डॉ. गोपाल शास्त्री दर्शन केशरी जी द्वारा प्रदत्त भाषणों के आधार पर संकलित यह ग्रन्थ दर्शन की विभिन्न धाराओं का निर्देशक है। श्री शास्त्री जी ने अपने पौढ़ प्रतिभा के प्रकाश में आस्तिक, नास्तिक, स्वदेशी-विदेशी सभी दर्शनों का वास्तविक चिन्तन इसमें प्रस्तुत किया है।

67. SARVA DARSHANA SAMANVAYAH **Rs. 55.00**

Compiled on the basis of lectures delivered by Panditraj Dr. Gopal Shastri 'Darshan Keshari' during 'Shardiya Vyakhyanmala' conducted by the Vidyepeetha every year, this book is a guiding star for various branches of Philosophy. In the light of his wide experience, Shri Shastriji has presented the original thought of Theist, Atheist, Indian and Western Philosophy.

68. संज्ञानात्मकोपलब्धयः मूल्य : 200.00

डॉ. मीनाक्षी मिश्रा के श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के शिक्षाशास्त्र विभाग की शोधोपाधि प्राप्त शोधप्रबन्ध का परिष्कृत रूप है। प्रस्तुत ग्रन्थ छः अध्यायों में विभक्त है। शिक्षाशास्त्र विषय में शोधकर्त्ताओं के लिए उपादेय है। इसका सम्पादन स्वयं लेखिका डॉ० मीनाक्षी मिश्रा जी ने किया है।

68. SANGYATMAKOPALBDHYA Rs. 200.00

This book is a refinal version of the thesis of Dr. Meenakshi Mishra of Education Department, Vidyapeetha. Divided in six chapters it is very relevant for researches. It has been written & edited by Dr. Meenakshi Mishra.

69. संसरणम् मूल्य : 75.00

महाकवि प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा विरचित संसरणम् प्रस्फुट कविताओं का संकलन है। इसमें पाँच सरणियां हैं, जिसमें कुल 60 रचनायें हैं।

69. SANSARANAM Rs. 75.00

This is a collection of sixty poems on several topics composed by Prof. Radhavallabh Tripathi. It is developed in 5 chapters.

70. संस्कार-भास्करः मूल्य : 300.00

भारतीय संस्कृति संस्काराश्रित है। हिन्दू संस्कार के विधि-विधान का विस्तृत वर्णन इस ग्रन्थ में किया गया है। पुरोहितों एवं पूजा-पाठ के विधि-विधान के जिज्ञासुओं के लिए परमोपयोगी ग्रन्थ है उक्त ग्रन्थ का सम्पादन विद्यापीठ के पौरोहित्य विभागाध्यक्ष डॉ० रामराज उपाध्याय जी ने किया है।

70. SANSAKAR-BHASKAR **Rs. 300.00**

Indian culture is based on Sanskaras. This book elaborates exhaustively Hindu Sanksaras. Edited by HoD of Paurohitya Deparment, Dr. Ramraj Upadhyay, this book is very important for the learners of Paurohitya and its technicalities.

71. संस्कारप्रकाश **मूल्य : 130.00**

डॉ. भवानी शंकर त्रिवेदी द्वारा संपादित ग्रन्थ है, जिसका प्रधान सम्पादन डॉ. मण्डन मिश्र ने किया है। पंचमयूखात्मक इस ग्रन्थ में विवाह आदि विविध संस्कारों का वैज्ञानिक विवेचन प्रस्तुत करते हुए उनके शास्त्रीय विधि-विधान को उपनिबद्ध किया गया है। शास्त्रीय पद्धति पर सम्पूर्ण विधि-विधान ऊपर संस्कृत में तथा नीचे हिन्दी में दिया गया है।

71. SANSKARA PRAKASH **Rs. 130.00**

Dr. Bhawani Sankar Trivedi is the author of this valuable work and it is published under the chief editorship of Dr. Mandan Mishra. It contains in five chapters a scientific analysis of different Sanskaras such as marriage etc. The author has given Hindi translation-of Sanskrit text for the benefit of common readers.

72. संशयवाद **मूल्य : 210.00**

न्यायदर्शन विभाग द्वारा 23-25 फरवरी, 2011 को आयोजित संशयसंवाद संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा पठित 48 शोध निबन्धों का संग्रह है। साथ में संशय विषय न्याय शास्त्रीय ग्रन्थों में उपलब्ध अंशो को भी प्रकाशित किया गया है। इसका सम्पादन न्यायदर्शन विभागाध्यक्ष प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित जी ने किया है।

72. SANSAYAWAD **Rs. 210.00**

This books is a compilation of 48 research papers presented during seminar on Sanshayvad conducted by Dept. of Nyay-Darshan dated 23-25 February 2011 along with relevant

excerpts on 'Sanshay' as found in books on Nyayashastra. This book is edited by Prof. P.K. Dixit.

73. सांख्यकारिका **मूल्य 300/-**

ईश्वर कृष्ण विरचित सांख्यकारिका का पं. दुर्गाधर झा ने मैथिली भाषा में व्याख्या की। इस व्याख्या का हिन्दी में प्रो. शशिनाथ झा ने अनुवाद किया। प्रो. शशिनाथ झा के हिन्दी अनुवाद एवं प्रो. हरेराम त्रिपाठी की संस्कृत व्याख्या के साथ मूल कारिकाओं सहित सांख्यकारिका प्रकाशित है, जिसका सम्पादन डॉ. शिवशंकर मिश्र एवं प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने किया है। यह ग्रन्थ दर्शन के जिज्ञासुओं के लिए अत्यन्त उपयोगी है।

73. Sankhyakarika **Rs. 300.00**

Ishwar Krishna's 'Sankhyakarika' has been explained in Maithli by Pt. Durgadhar Jha. It is tranlated in Hindi by Prof. Shashinath Jha. This book that contains the hindi rendering of Prof. Shashinath Jha & Sanskrit explanation by Prof. Hareram Tripathi has been edited by Dr. Shiv Sankar Mishra & Prof. Hareram Tripathi. It is very important for the learners of philosophy.

74. सिद्धान्तकौमुदी **मूल्य : 360.00**

व्याकरणशास्त्र की भट्टोजी दीक्षित प्रणीत सिद्धान्तकौमुदी पाणिनीय व्याकरणसूत्रवृत्ति, अष्टाध्यायीसूत्र तथा सिद्धान्तकौमुदी उस पर श्रीज्ञानेन्द्र सरस्वती कृत तत्त्वबोधिनी व्याख्या है। इस ग्रन्थ का सम्पादन एवं संशोधन श्री वासुदेन शर्मा जी द्वारा किया गया है।

74. SIDHANT KAUMADI **Rs. 360.00**

'Siddhant Kaumudi' is a book on Bhattoji Dixit's composition of the same name along with Tattvabodhini explanation by Shri Gyanendra Sarasvati. It is edited by Sri Vasudev Sharma.

75. सिद्धित्रयम् मूल्य : 60.00

विशिष्टाद्वैत दर्शन के यमुनाचार्य द्वारा विरचित आत्मसिद्धि, ईश्वरसिद्धि एवं संवित्सिद्धि इन सिद्धियों का संग्रह रूप सिद्धित्रयम् ग्रन्थ है। उक्त ग्रन्थ का सम्पादन प्रो० केदारप्रसाद परोहा जी ने किया है। यह ग्रन्थ दर्शन शास्त्र के जिज्ञासुओं के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

75. SIDDHITRAYAM **Rs. 60.00**

'Siddhitrayam' is a collection of three siddhis visavis Attmasiddhi, Ishvarsiddhi and Samvitsiddhi by the scholar of Visistadvaita, Yamunacharya. This book is very important for the learners of philosophy, and edited by Prof. K.P. Paroha.

76. श्रीदामचरितम् मूल्य : 7.00

पण्डित कवि श्री सामराज दीक्षित द्वारा निर्मित यह नाटक अपने क्षेत्र की अनूठी रचना है। संस्कृत साहित्य में नाटकीय दृष्टि से सुदामा के चरित्र को उर्वरित करने वाला यह पहला नाटक है। प्राञ्जल भाषा, मधुर कवित्व एवं वर्ण्य विषय की अभिनव प्रस्तुति के कारण इस नाटक का महत्व अत्यधिक स्पृहणीय है। प्रो. श्री बाबूलाल शुक्ल शास्त्री, एम.ए. साहित्याचार्य द्वारा इसका यशस्वी सम्पादन हुआ है तथा डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी ने इस पर विस्तृत प्राक्कथन 24 पृष्ठों में लिखकर विषय वस्तु की समीक्षा की है। साथ ही सुदामा से सम्बद्ध हिन्दी आदि भाषा की कृतियों का भी परिचय इसमें समाविष्ट है।

76. SHRIDAMACHARITAM **Rs. 7.00**

This Volume is the result of author's infatiguable labour He has translated Sayanacharya's Krsna Yajurveda Taitiriya Samhita into Hindi and adorned his book with learned comments. All the intricacies of the subject have been explained in a very lucid manner Kavi Ratna Sh. Amir Chandra Shastri and Dr. Rudra Dev Tripathi have edited the Pancham Anuwaka of the Prathma Prapathaka of the first Chapter.

77. श्रीबहुरूपगर्भस्तोत्रम् **मूल्य : 10.00**

वृह-स्वच्छन्दतंत्र-प्रोक्त श्री बहुरूपगर्भस्तोत्र पाठ कश्मीर में शिवोपासना के प्रारम्भ एवं समाप्ति पर आशुफलप्रद एवं ऐहिक इच्छापूर्ति का अपूर्व साधक माना जाता है। यह विषम पदों से सम्बद्ध रहस्य को उद्घाटित करने वाली चार विद्वत्तापूर्ण टीकाओं से अलंकृत है।

77. SHRI BAHURUPA-GARBHA-STOTRA **Rs. 10.00**

It is a practice in Kashmir to utter Bahurupagarbha stotra in the beginning and end of Shivopasana to get ones material is desires fulfiled. The book also contains four scholarly commentaries on the text.

78. श्रीमद्भागवतीयं सांख्यम् **मूल्य : 70.00**

डॉ. बदरीनारायण पञ्चोली द्वारा विरचित यह ग्रन्थ वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध प्रबन्ध है। इसमें श्रीमद्भागवत महापुराण में प्रतिपादित ज्ञान का और विशेष रूप से सृष्टिप्रक्रिया का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किया गया है।

78. SHRIMAD BHAGAVATIYAM SANKHYAM **Rs. 70.00**

This is a thesis presented by Dr. Badrinarayana Pancholi for the degree of Doctor of Philosophy to Sanskrit University, Varansi it contains a comprehensive analysis of Sankhya tenents with special emphasis on process of evolution as propounded in Shrimad Bhagavata Mahapu rana.

79. श्रीमद्भगवद्गीता **मूल्य : 520.00**

श्रीशंकराचार्य भाष्य, आनन्दगिरिव्याख्या, नीलकण्ठीव्याख्या, मधुसूदनी व्याख्या, भाष्योत्कर्षदीपिका, श्रीधरीव्याख्या तथा अभिनवगुप्त व्याख्या, 7 टीकाओं से संबलित है।

79. SHRIMADBHAGWATGEETA **Rs. 520.00**
(7 COMMENTRIES)

This books comprises 7 commentaries on the

"Srimadbhagvadgita' for example Sri Sankaracharya's, Anandgiri's, Neelkantha's, Madhusudana's, Sridhara's, Abhinavgupta's and Bhasyotkarshdeepika.

80. श्रीसुभगोदयस्तुतिः मूल्य : 40.00

श्री राजराजेश्वरी भगवती महात्रिपुरसुन्दरी की परम पूज्य श्री गौडपादाचार्य विरचित "श्रीसुभगोदयस्तुतिः" है उक्त ग्रन्थ का परिशीलन एवं सम्पादन डॉ. रुद्रदेव त्रिपाठी जी द्वारा किया गया है साधकों के लिए अत्यन्त उपादेय ग्रन्थ है।

80. **SHRISUBHGKADYASTUTI** **Rs. 40.00**

Composed in original by Sri Gaudpadacharya, this book is edited by Dr. Rudradeva Tripathi and is very relevant for the devotees.

81. श्रौतयज्ञविश्लेषणम् मूल्य : 280.00

देवयाज्ञिक पद्धति के आधार पर श्रौतयज्ञ विश्लेषणम् विद्यापीठ के वेदविभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुन्दरनारायण झा द्वारा श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा बिहार से प्राप्त विद्यावाचस्पति उपाधि का शोध प्रबन्ध है। यह प्रबन्ध सात अध्यायों में विभक्त है।

81. **SHROTYAGYA VISHLEKSHANAM** **Rs. 280.00**

Divided into 7 chapters, this book is a dissertation on which Dr. Sunder Narayan Jha, Asst. Professor of Dept. of Veda was conferred upon 'Vidyavachaspati' by Sri K.S.D. Sanskrit Vishwavidyalaya.

82. शोध-प्रभा

यह विद्यापीठ द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक शोध पत्रिका है। इसमें अनेक प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा लिखित शोधलेख प्रकाशित हुये हैं। समय-समय पर इसके कुछ विशेषांक भी प्रकाशित किये गये हैं। इसके साधारण

अंक का मूल्य रू. 125/– है। इस पत्रिका की वार्षिक–सदस्यता रू. 500/– पंचवार्षिक–सदस्यता राशि रू. 2000/– तथा आजीवन सदस्यता राशि रू. 5000/– में प्राप्त की जा सकती है। इसके विशेषांकों का मूल्य ग्रन्थ के आकार–प्रकार के आधार पर स्वतंत्र रूप से निर्धारित है, जिसे अलग रूप से देखा जा सकता है।

82. SHODHA PRABHA

This is the quarterly research journal brought out by the Vidyapeetha. High level research articles written by established scholars find place here. The special issues of this quarterly have been published in many occassions. The ordinary issue of this cost Rs. 125/- The Annual subscribtion can be availed by paying Rs. 500/- Five Years membership Rs. 2000/- and Life time membership Rs.5000/- only. The price of the special issues is fixed on the basis of the shape and size of the concerned issue which can be viewed in a different way.

83. विद्यापीठ पंचांग — मूल्य निर्धारण प्रतिवर्ष किया जाता है।

दिनांक 5 अक्टूबर, 1982 को विद्यापीठ में सम्पन्न पंचांग संगोष्ठी के निर्णयानुसार भारत की राजधानी दिल्ली को आधार मानकर चित्रापक्षीय एवं निरयणपद्धति से विद्यापीठ–पंचांग का श्रीगणेश किया गया। इस पंचांग में दैनिक स्पष्ट ग्रह, दैनिक लग्न सारिणी, उत्तरी भारत के प्रमुख नगरों की लग्न सारणियां, जन्मपत्री एवं वर्षफल गणित की सुगम सारणियां, व्रत, पर्व एवं उत्सवों की वर्गीकृत सूची, मांगलिक मुहूर्त, लोक भविष्य एवं मेलापक जैसे लोकोपयोगी विषयों का समावेश किया जाता है। गत 36 वर्षों से प्रकाशित पंचांग का प्रकाशन किया जा रहा है।

83. VIDYAPEETHA-PANCHANGA — Price is to be fixed every year

The Panchang was started on in 5th Oct. 1982 Vidyapeetha. This Panchanga contains a comprehensive account of

spashta-Graha of every day, ascendant tables of every day alongwith ascendant tables of main cities of India, tables for calculating Varsha phala and casting' horoscopes, list of various fasts and festivals, auspicious Muhurtas, forecastes and melapaka, This is being published for the last thirty five years.

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110016

विद्यापीठ-प्रकाशन

(मुद्रित मूल्य पर 40 प्रतिशत छूट के साथ विक्रय)

क्र. सं.	ग्रन्थ का नाम	मुद्रित मूल्य	विक्रय मूल्य
1.	अजातशत्रु	26.00	15.60
2.	अथर्वसंहिता विधान	30.00	18
3.	अद्वैत वेदान्त में आभासवाद	410.00	246
4.	अध्यापक शिक्षा में उदीयमान प्रवृत्तियाँ	280.00	168
5.	अध्यापक शिक्षा में मूल्यमीमांसा वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ	325.00	195
6.	अध्वरमीमांसाकुतूहलवृत्ति (चार भाग)	106.00	63.60
7.	An Anthology of Sanskrit Classics in English Translation	80.00	48
8.	अभिनव क्रीडातरङ्गिणी	11.00	6.6
9.	अवयवतत्त्वचिन्तामणिदीधितिविद्योत:	300.00	180
10.	अहिंसा दर्शन	160.00	96
11.	इन्दिरा-कीर्ति-कौमुदी	55.00	33
12.	ऋग्वेदकविविमर्श:	3.00	1.80
13.	कात्यायनश्रौतसूत्रम् (दो भाग)	450.00	270
14.	कारिकावली	450.00	270

15.	कृष्णयजुर्वेदीय-तैत्तिरीय संहिता (दो भाग)	350.00	210
16.	गायत्री वरिवस्या	98.00	58.80
17.	चित्रबन्धावतारिका	50.00	30
18.	जैमिनीय न्यायमाला (प्रमाणाध्याय)	150.00	90
19.	जैमिनी न्यायमाला (धर्मभेदाध्याय)	200.00	120
20.	दायभाग:	270.00	162
21.	The Structure of Indian Mind	160.00	96
22.	देवीपुराण	270.00	162
23.	दीक्षान्त भाषण संग्रह	100.00	60
24.	नित्यकर्मप्रकाश:	90.00	54
25.	पञ्चलक्षणी	135.00	81
26.	पञ्चामृतम्	15.00	9
27.	प्रत्यक्षागमप्रमाणोल्लास:	250.00	150
28.	प्रमेय पारिजात	115.00	69
29.	प्रमाण-प्रमोद:	7.50	4.5
30.	प्रवचनपारिजात: (भाषण-सङ्ग्रह:)	95.00	57
31.	प्राकृत भाषा अभिलेख	300.00	180
32.	पाणिनि कात्यायन एण्ड पतञ्जलि	55.00	33
33.	विशदपाण्डुग्रन्थसूची	340.00	204
34.	पुराण पारिजात	120.00	72
35.	ब्रह्मसिद्धि:	380.00	228
36.	पर्यावरण एवं भारतीय नारी	330.00	198
37.	बृहत्त्रयीपरिशीलनम् (परिचयखण्ड:)	210.00	126
38.	बृहत्त्रयीपरिशीलनम् (सांस्कृतिकखण्ड:)	170.00	102
39.	बृहत्त्रयीपरिशीलनम् (काव्यशास्त्रीयखण्ड:)	230.00	138

40.	भट्टमथुरानाथस्य काव्यशास्त्रीयनिबन्धाः	90.00	54
41.	भारतीयचिन्तने स्याद्वादः	175.00	105
42.	भारतीय संस्कृति के नये आयाम	140.00	84
43.	भारतीय वृष्टिविज्ञान परिशीलन	350.00	210
44.	भास्करीय गोलमीमांसा	450.00	270
45.	भोजप्रबन्धः	225.00	135
46.	भैषज्य ज्योतिष मञ्जूषा (भाग 1-3)	450	270
47.	मीमांसा-प्रवेशिका	260.00	156
48.	मीमांसान्यायप्रकाश	100.00	60
49.	राघवाह्निकम्	1.00	0.60
50.	ऋतु इन संस्कृत लिट्रेचर	110.00	66
51.	रामायणम् (तिलक टीका-दो भाग)	550.00	330
52.	रामायण और भारत संस्कृति	115.00	69
53.	वास्तुशास्त्राविमर्श (भाग 4-9)	1200.00	720
54.	वेधशाला परिचय पुस्तिका	25.00	15
55.	वैदिकऋषिदृष्टिसमीक्षा	300.00	180
56.	वैदिक दर्शन विमर्श	300.00	180
57.	व्रतों से रोग निवारण	300.00	180
58.	व्याख्यान-वल्लरी	4.00	2.4
59.	शतकत्रयम्	75.00	45
60.	शाबरभाष्यम्	110.00	66
61.	शास्त्र-दीपिका - (प्रथमभागः)	260.00	156
62.	शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य	340.00	204
63.	शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनीयसंहिता (मूल)	320.00	192

64.	शुक्लयजुर्वेद (माध्यन्दिनसंहिता) प्रथम दशक हिन्दी व्याख्या	460.00	276
65.	शैवाद्वयविंशतिका	75.00	45
66.	संचारी भावों का शास्त्रीय अध्ययन	20.00	12
67.	सर्वदर्शन-समन्वय:	55.00	33
68.	संज्ञानात्मकोपलब्धय:	200.00	120
69.	संसरणम्	75.00	45
70.	संस्कार-भास्कर:	300.00	180
71.	संस्कारप्रकाश	130.00	78
72.	संशयवाद	210.00	126
73.	सांख्यकारिका	300.00	180
74.	सिद्धान्तकौमुदी	360.00	216
75.	सिद्धित्रयम्	60.00	36
76.	श्रीदामचरितम्	7.00	4.2
77.	श्रीबहुरूपगर्भस्तोत्रम्	10.00	6
78.	श्रीमद्भागवतीयं सांख्यम्	70.00	42
79.	श्रीमद्भगवद्गीता	520.00	312
80.	श्रीसुभगोदयस्तुति:	40.00	24
81.	श्रौतयज्ञविश्लेषणम्	280.00	168
82.	शोध-प्रभा	125.00	75

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

Rare Sanskrit Books reprinted and Published Under the auspices of Ministry of Human Resource Development, Govt. of India available at lowest and printed price.

This Vidyapeetha is engaged in the continuous service of Sanskrit In the Capital City of India since last forty one years and apart from imparting Sanskrit teachings, education, studies and research activities, it is also engaged in the publication of various standard granthas relating to different branches of Sanskrit literature. It is our endeavour to publish and conveniently make available the authentic commentaries, literatures and granthas containing rare, original and research oriented thinking.

These publications will be available to voluntary Sanskrit institutions, receiveing grant-in-aid from Government of India or State Governments, The Kendriya Sanskrit Vidyapeethas and departments of Sanskrit in various Universities, the Sanskrit Universities and their affiliated colleges as well as for individual scholars and students. These publications will not be available from any other source than Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha Katwaria Sarai, Shaheed Jeet Singh Marg, New Delhi-16.

You are adviced to give priority to purchase the above publications out of the library grant available as early as possible since only limited number of copies are available. Your order should be accompanied with a crossed Demand Draft in a the name of Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha and packing and railway or postal freight will be separately paid by you.

You are also requested to send your order of the books for proper utilization of fund.

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक/सम्पादक	कुल पृष्ठ	मूल्य
01.	अद्वैततत्त्वसुधा Advaitatatva sudha (1,2,3,)	श्रीअनन्तकृष्णशास्त्री Sh. Anantakrishna Sastri	1936	120.00
02.	अलंकारकौस्तुभम् Alankarakaustubha	पं. श्रीविश्वेश्वर Pt. Sh. Visvesvara	338	51.00
03	अथर्ववेदसंहिता (1-4) Atharvaveda Samhita (1-4)	शंकर पाण्डुरंग पण्डित Shankar Panduranga Pt.	3400	381.00
04	आर्यासप्तशती Arya-Saptasati	श्रीगोवर्धानाचार्य Sh. Govardhanacharya	280	27.00
05.	उज्ज्वलनीलमणिः Ujjwalanilmani	रूपगोस्वामी Rupagoswami	629	30.00
06	काव्यामाला गुच्छिका (1-14) Kavyamala Gucchika (1-14)	पं. दुर्गा प्रसाद Pt. Durga Prasad	1600	216.00
07.	तपतीसंवरणम् Tapatisamvaranam	श्रीकुलशेखरवर्मन् Sh. Kulasekhar Verman	290	30.00
08.	तन्त्रलोक (1-7) Tantralok (1-7)	अभिनवगुप्त Abhinav Gupta (Full Set)	4000	303.00
09.	तिलकमञ्जरी Tilaka-Manjari	श्रीधनपाल Sh. Dhanapala	440	27.00
10.	तत्त्वप्रदीपिका Tattwapradipika	श्रीमच्चित्सुखमुनि Sh. Chituskhamuni	392	44.00
11.	दत्तपुराण Dattpurana			45.00
12.	न्यायामृताद्वैतसिद्धिः (भाग 1) Nyayamrta Advaitasiddhi Part-1	अनन्तकृष्ण शास्त्री A.K. Shastri	823	70.00
13.	पादुकासहस्त्रम् Padukasahasram	श्रीवेंकट रंगनाथदेशिका Sh. Venkataranganatha Desika	356	26.00

14.	पारिजातहरणचम्पू Parijathaharanchampu	शेषश्रीकृष्ण Shesh Shrikrishna	50	5.00
15.	पुरश्चर्यार्णवः Purascaryarnava	श्रीप्रतापसिंहसाह देव Sh. Pratap SIngh Sahdev	1320	125.00
16.	ब्रह्मसूत्रभाष्यम् (1,2) Brahma Sutra Bhasya (1,2)	श्रीकण्ठाचार्य Sh. Kanthacharya	1126	90.00
17.	ब्रह्मसूत्रश्रीभाष्यम् (1,2) Brahma Sutra Shri Bhasya (1,2)			260.00
18.	युधिष्ठिरविजयम्	श्रीवासुदेव	235	12.00
19.	रामायणमञ्जरी Ramayana Manjari	श्री क्षेमेन्द्र Sh. Kshemendra	513	28.00
20.	लघुयोगवसिष्ठ Laghuyogavasistha	-- ---	857	30.00
21.	स्मृतिचन्द्रिका (1,2,3) Smritichandrika (1,2,3)	श्रीदेवणभट्टोपाध्याय Sh. DevanaBhattopadhyay	2100	151.00
22.	सुभद्राधनञ्जयम् SubhadraDhananjaya	श्रीकुलशेखरवर्मन् Sh. Kulsekhar Verman	204	29.00
23.	शास्त्रदीपिका SastraDipika	श्रीपार्थसारथि मिश्र Sh. Partha Sarathi Mishra	1075	102.00
24.	शार्गधर पद्धति **Sarangdhar padhiti**			51.00
25.	हरचरितचिन्तामणिः HaraCharitaChintamani	राजानक श्रीजयरथ Rajanaka ShriJairatha	291	15.00
26.	श्रीमन्महाभारतम् (1-7)	--	2300	433.00



श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

के

प्रमाणपत्रीय, डिप्लोमा एवं एडवांस डिप्लोमा स्ववित्तपोषित अंशकालिक पाठ्यक्रमः-

प्रमाणपत्रीय	डिप्लोमा	एडवांस डिप्लोमा
१. षाण्मासिक ज्योतिष प्रवेशिका	१. एकवर्षीय ज्योतिप्राज्ञ डिप्लोमा	१. द्विवर्षीय ज्योतिषभूषण एडवांस डिप्लोमा
२. षाण्मासिक वास्तुशास्त्र प्रमाणपत्रीय	२. एकवर्षीय मेडिकल एस्ट्रोलॉजी डिप्लोमा	२. द्विवर्षीय वास्तुशास्त्र एडवांस डिप्लोमा
३. षाण्मासिक योग प्रमाणपत्रीय	३. एकवर्षीय वास्तुशास्त्र डिप्लोमा	
४. षाण्मासिक पौरोहित्य प्रशिक्षण	४. द्विवर्षीय वास्तुशास्त्रीय पी.जी. डिप्लोमा	
५. षाण्मासिक संस्कृत प्रशिक्षण एवं सम्भाषण पाठ्यक्रम	५. एकवर्षीय पी.जी. योग डिप्लोमा	
६. संस्कृत वाङ्मय प्रमाणपत्रीय	६. एकवर्षीय पौरोहित्य डिप्लोमा	
७. षाण्मासिक ऑफिस आटोमेशन प्रमाणपत्रीय	७. एकवर्षीय संस्कृत भाषा पत्रकारिता पी.जी. डिप्लोमा	
८. षाण्मासिक संगणक प्रोग्रामिंग प्रमाणपत्रीय	८. एक वर्षीय जैनविद्या डिप्लोमा	
९. षाण्मासकि वेब डिजाइनिंग प्रमाणपत्रीय		
१०. षाण्मासिक जैनविद्या प्रमाणपत्रीय		

